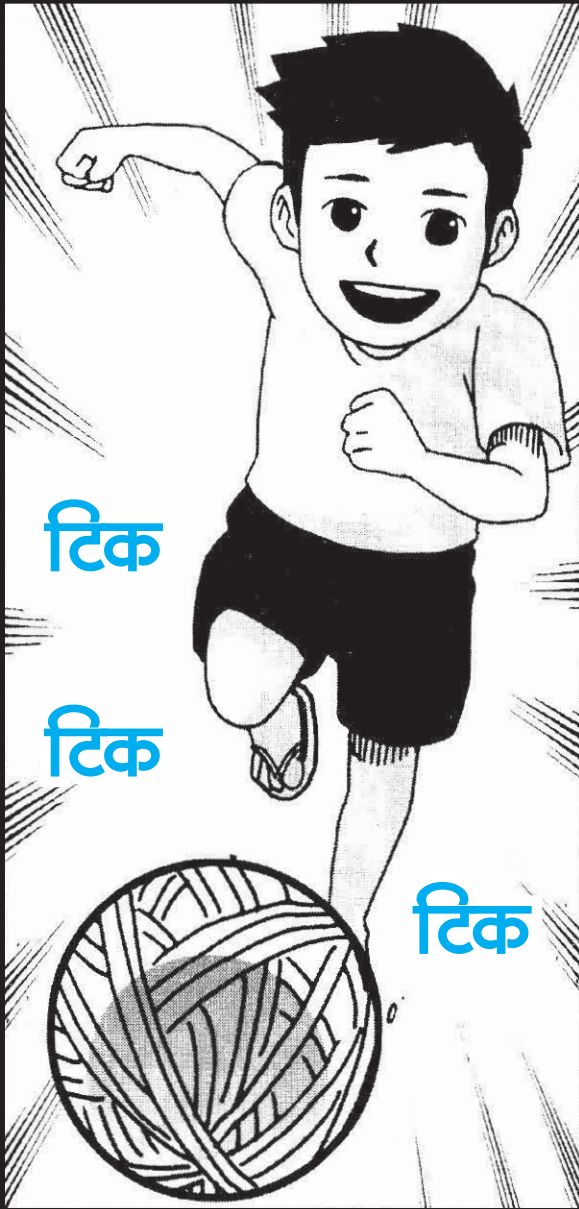


राजू

की कहानी

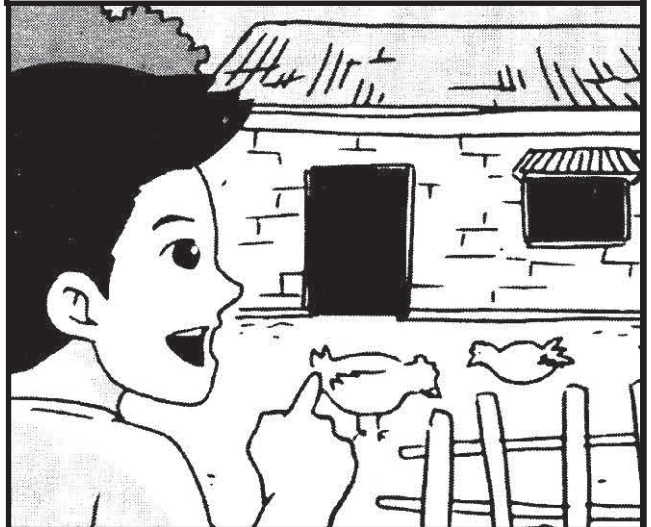


**नमस्कार
मेरा नाम राजू है।**

यह मेरा गाँव है।



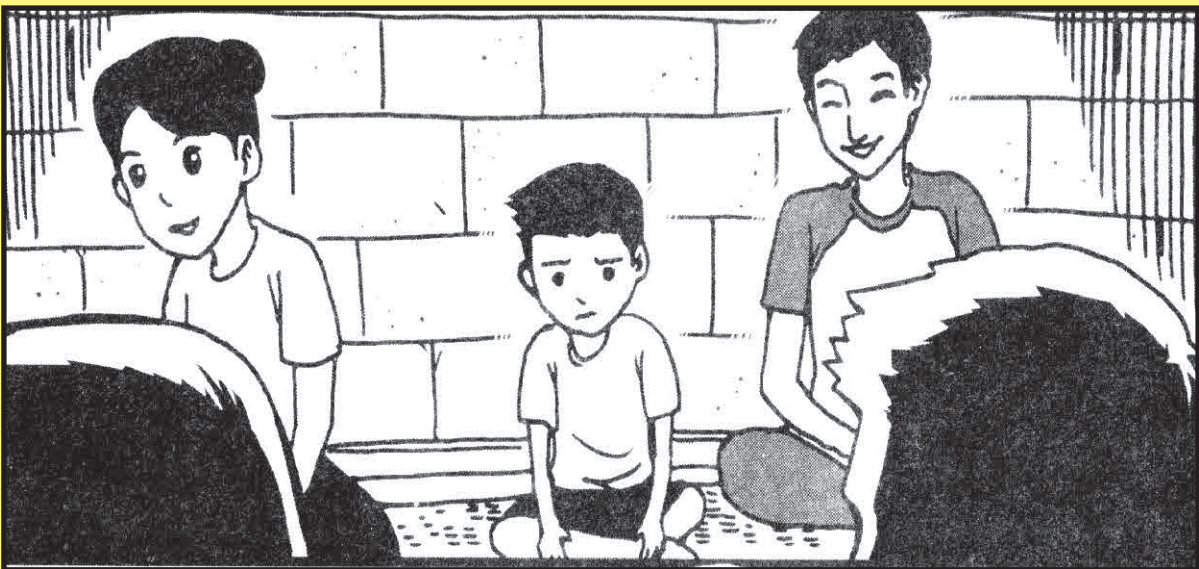
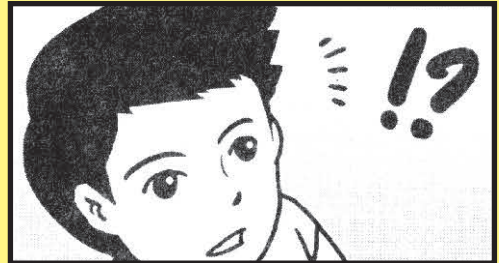
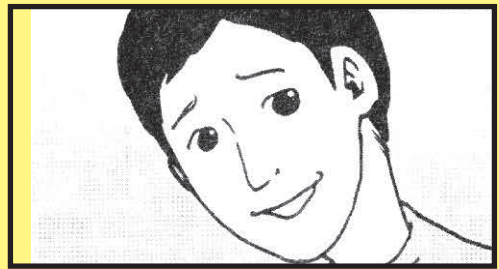
मेरे घर में आपका स्वागत है। यहाँ मैं
अपने माता-पिता, बहन और भाई के
साथ रहता हूँ।





मुझमें रंग भरो







अलक मेरे पैर
पर अपना हाथ रखा
देता है। मैं चाहता हूँ
कि वह मुझे अकेला
छोड़ दे....



उफ !
उफ !

जब मैं तुमसे
मिलने आता हूँ, तो
तुम्हें अच्छा लगता
है, है न राजू ?
तुम, मुझे सबसे
अच्छे लगते हो, पर
यह बात किसी से
बताना नहीं।



राजू ये पैसे रखो,
सिर्फ तुम्हारे लिए ही
है, तुम मेरे लिए
बहुत खास जो हो।

मुझे पता है कि इन पैसों
से मैं बहुत मजे करूँगा
लेकिन मुझे यह बात
समझ में नहीं आती कि
उसने मुझे क्यों दिया,
मेरी माँ या पिता जी को
क्यों नहीं दिया?



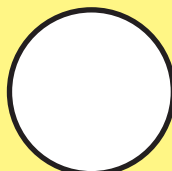
राजू क्या तुम इस कहानी के इन शब्दों को शब्दकोश में ढूँढने में मदद कर सकते हो ?



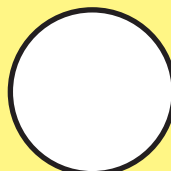
क	ख	ग	घ	ङ	च	ह
ट	ठ	ड	ण	त	छ	क्ष
स	ष	श	व	थ	ज	प्र
म	य	र	ल	व	झ	ज्ञ
ब	फ	भ	न	प	क	ख
ि	ी	ु	ू	े	ै	ँ



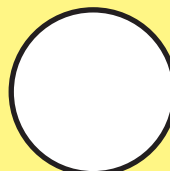
क्या तुम शब्द से मेल खाता चेहरा बना सकते हो ?



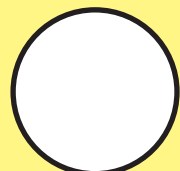
चिंतित



प्रसन्न



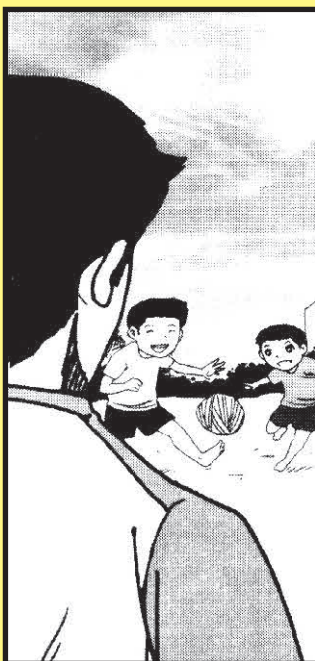
दुखी



भयभीत



मुझमें रंग भरो

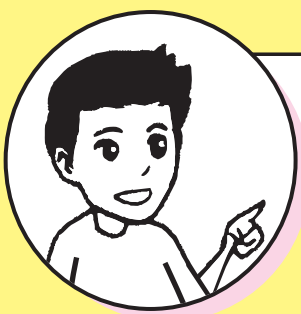




जब भी मैं अकेला होता हूँ
तो अलक अक्सर मुझे
छूता है, जैसे कि आज
उसने मेरे हाथ को
सहलाया जबकि इसकी
कोई जरूरत नहीं थी।



वह मेरे नितम्ब
को भी छूता
है और काफी
देर तक अपने
हाथ वहीं रखे
रहता है।
यह बुरा
लगता है।



प्रश्नों को पढ़कर सही उत्तर दो-

1

अलक के साथ राजू कैसा महसूस करता है ?

अ. खुश।

ब. अजीब।

2

वह अपने माता-पिता को इस बारे में क्यों नहीं बताता है ?

अ. उसे यह अच्छा लगता है।

ब. वह बहुत डरा हुआ है।

3

राजू कब खुश होता है ?

अ. जब वह अपने परिवार के साथ होता है।

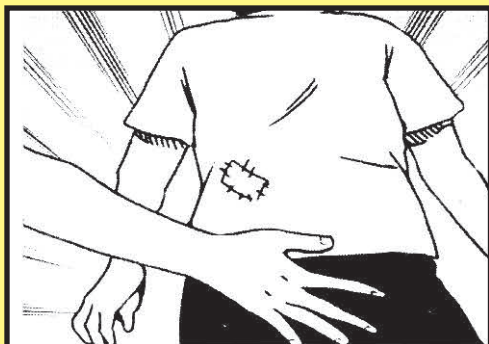
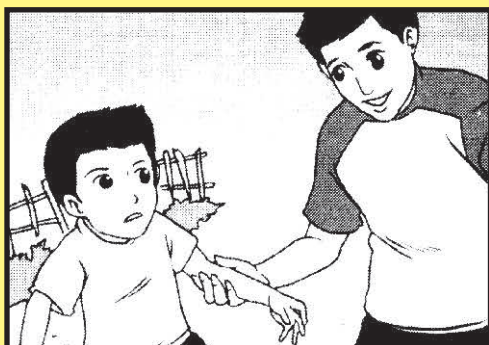
ब. जब अलक उसे छूता है।

4

आपके विचार से अलक के छूने पर राजू को क्या करना चाहिए था ?

अ. अपने किसी भरोसेमंद को यह सब बताना था।

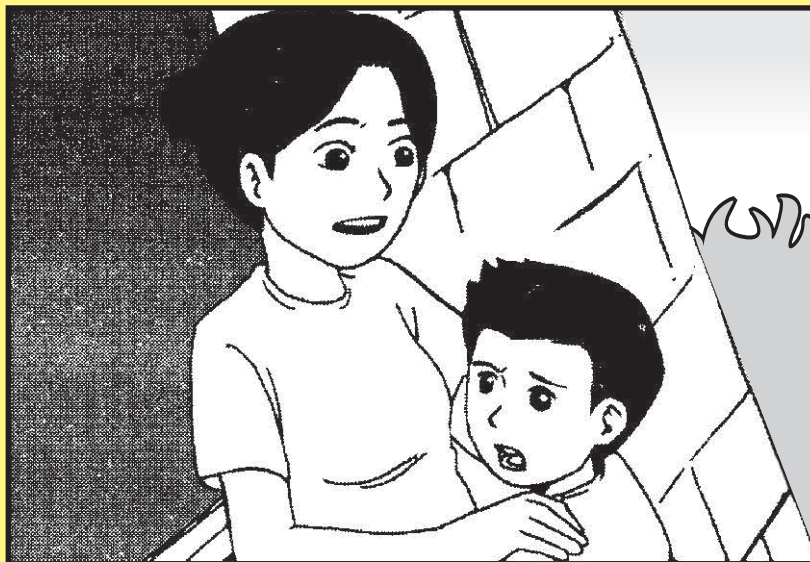
ब. यह सब बंद होने की उम्मीद करता।



अलक के साथ मैं असहज और अजीब-सा महसूस करता हूँ। पहले मुझे यह सब समझ नहीं आया लेकिन मुझे हमेशा सिखाया गया है।

किसी भी बड़े द्वारा तुम्हारे शरीर के प्राइवेट अंगों या किसी और जगह को छूना ठीक नहीं है जिसे तुम बुरा या अजीब महसूस करते हो।





वयस्कों द्वारा
तुम्हें गले
लगाकर और चूम
कर अपना प्यार
जताना आम
बात है।



लेकिन किसी को भी
आपके शरीर के
प्राइवेट अंगों को नहीं
छूना चाहिए।



मेरी माँ ने मुझे और मेरी
बहन को बताया है कि
किसी को भी अपने
शरीर के अंगों को छूने
नहीं देना चाहिए।

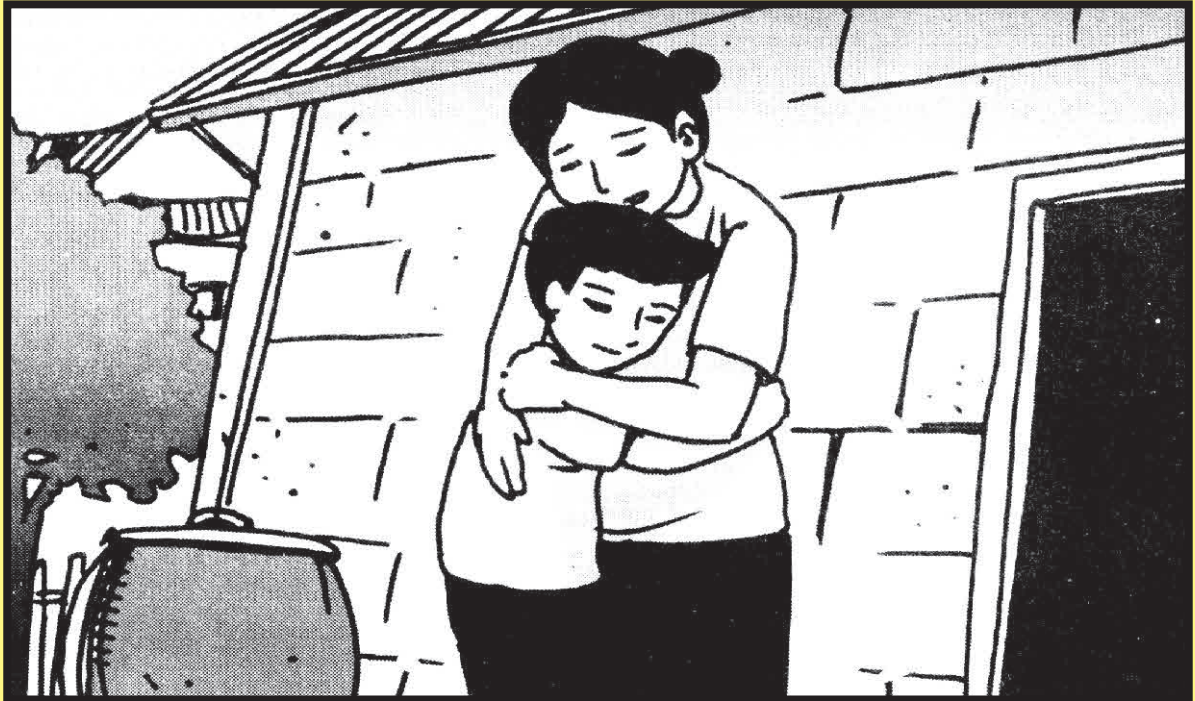
मुझे ऐसे मत छोओ अलक! मुझे यह पंसद नहीं! तुम्हें इस तरह मुझे छुने का कोई अधिकार नहीं। मैं अपनी माँ को सब कुछ बताने जा रहा हूँ।



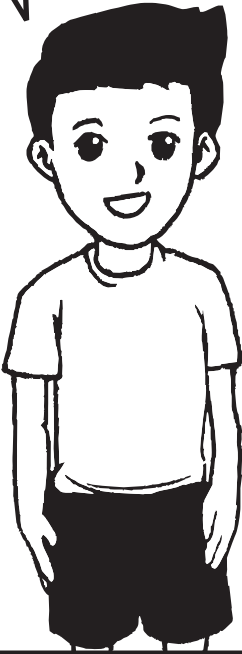
और वहाँ से
भाग गया।



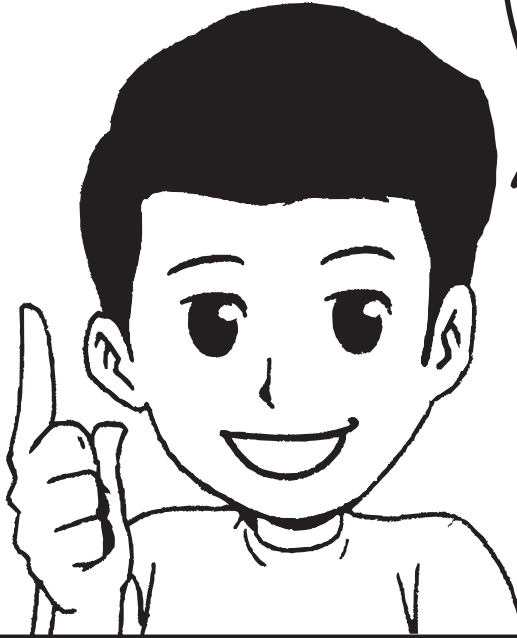
टिक टिक



यदि तुम्हारे साथ
ऐसा कुछ होता है,
तो इसमें तुम्हारा
कोई दोष नहीं...



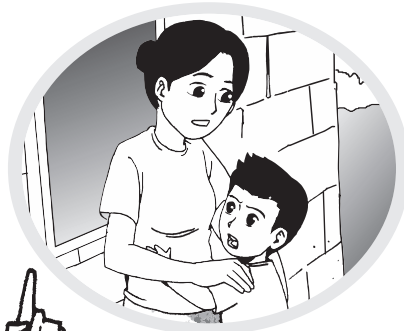
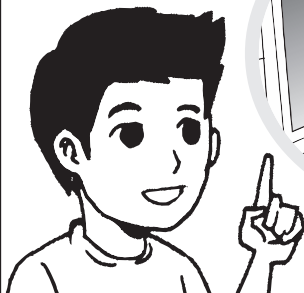
परन्तु तुम यह
सावधानी रखो



अपने अनुभव
और समझ पर
भरोसा रखो।
असहज होने पर
अपने बड़ों को
जरूर बताओ।
डरो नहीं।

अपने किसी
बड़े से अवश्य
कहो जिन पर
तुम्हें भरोसा हो।

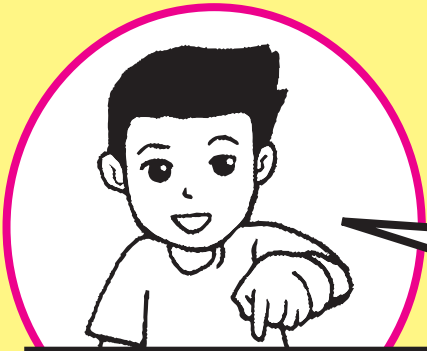
ये लोग शिक्षक
या माता-पिता
या और कोई
बड़े हो सकते हैं।
वे तुम्हारी मदद
कर सकते हैं।



जिन स्थानों
पर अलक मुझे
छूता था, वह
गलत था इसलिए
उसे पुलिस
पकड़कर ले गई।







अपने परिवार या आस-पास उपलब्ध कोई नम्बर जिसे तुम यहाँ लिखना चाहो-

A large empty rectangular box for writing.

क्या राजू की कहानी तुम्हें याद है-

